तेल कंपनियों की बंपर एथेनॉल शॉपिंग शुगर इंडस्ट्री को देगी राहत

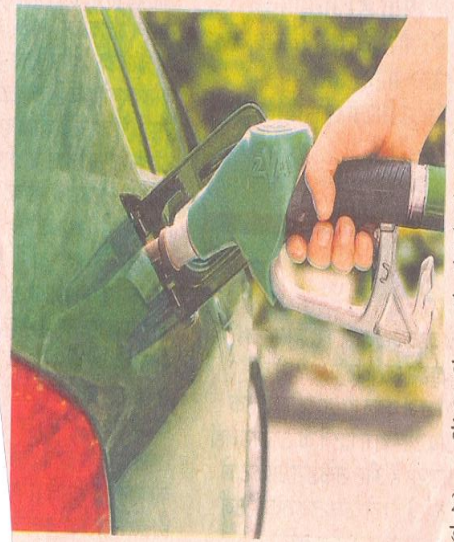

पेट्रोल में 5% मिक्सिंग की शर्त पूरी करने के लिए 266 करोड़ लीटर एथेनॉल खरीदेंगी तेल कंपनियां

संजीव चौधरी | नई दिल्ली

सरकारी तेल कंपनियों ने 266 करोड़ लीटर एथेनॉल खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस एथेनॉल को पेट्रोल के साथ मिलाया जाना है। सरकार ने पेट्रोल में 5 फीसदी एथेनॉल मिलाने का नियम बनाया है। तेल कंपनियों की यह खरीदारी शुगर इंडस्ट्री पर बना प्रेशर घटाएगी। देश की शुगर इंडस्ट्री ज्यादा प्रॉडक्शन और कम कीमतों के मुश्किल भरे दौर से गुजर रही है।

भारत पेट्रोलियम कॉर्प (BPCL) ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (IOCL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (HPCL) की ओर से डीनेचर्ड एनहाइड्रस एथेनॉल की खरीदारी के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किए हैं।

विज्ञापन के मुताबिक, यह खरीदारी दिसंबर 2015 से नवंबर 2016 के बीच की जाएगी। एक महीने पहले इन कंपनियों ने डीजल में मिलाने के लिए 85 करोड़ लीटर बायोडीजल खरीदने के लिए टेंडर उतारा था। बायोडीजल मिले हुए तेल की रिटेल सेल देश के चार शहरों में अभी हाल में शुरू हुई है।

ज्यादातर प्रमुख शहरों के प्रदूषण वाली हवा और इससे जुड़ी हुई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझने के चलते फॉसिल फ्यूल रिटेलरों को सरकार की ओर से निर्देश दिया गया है कि वे ज्यादा स्वच्छ बायोडीजल को पेट्रोल और डीजल में मिलाकर बेचें। हालांकि, फ्यूल रिटेलर्स को इनकी उपलब्धता और प्राइसिंग के मोर्चे पर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय बायोडीजल की बढ़ी हुई खपत की मदद से इंडिया का इंपोर्ट बिल कम हो सकता है। इंडिया को अपनी क्रूड ऑयल जरूरत का 80 फीसदी हिस्सा इंपोर्ट के जरिए पूरा करना पड़ता है। नेशनल पॉलिसी ऑन बायोडीजल्स में पहले बायोडीजल और एथेनॉल, दोनों के लिए साल 2017 से 20 फीसदी ब्लेंडिंग का प्रस्ताव किया गया था, लेकिन सरकार ने फ्यूल रिटेलर्स के लिए केवल 5 फीसदी एथेनॉल की ब्लेंडिंग को अनिवार्य बनाया है। साथ ही, बायोडीजल को लेकर कोई शर्त नहीं रखी है। इसकी मुख्य वजह इसकी सीमित उपलब्धता है। औसतन, 3 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडिंग ही अब तक की जाती है।

एथेनॉल का प्रॉडक्शन मुख्यतौर पर गन्ने से शुगर बनाने की प्रक्रिया के दौरान होता है और इसकी बढ़ती खपत से सीधे तौर पर शुगर इंडस्ट्री को मदद मिल सकती है। बायोडीजल को मुख्यतौर पर वेजिटेबल या एनिमल फैट के जरिए हासिल किया जाता है। चार महीने पहले सरकार ने पेट्रोल में ब्लेंडिंग के लिए सप्लाई होने वाले एथेनॉल पर लगने वाली 12.36 फीसदी एक्साइज ड्यूटी को हटा दिया था।

साथ ही, सरकार ने शुगर पर इंपोर्ट ड्यूटी को पहले के 25 फीसदी से बढ़ाकर 40 फीसदी कर दिया था। इस कदम का मकसद मुश्किल में चल रही शुगर इंडस्ट्री को सहारा देना था।

The economic Times